दृष्टि The Vision

26 AUG 2019

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 2)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–**GS12**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Bhoor Singh Meena

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): Hindi

Reg. Number: AWAKB - 19/F-24

Center & Date: M.N. Delhi 25/08/19

UPSC Roll No. *(If allotted)*: 3811578

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें तेरह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **THIRTEEN** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		7 (a)	
1 (b)		7 (b)	
2 (a)		7 (c)	
2 (b)		8	
3 (a)		9	
3 (b)		10	
4 (a)		11	
4 (b)		12	
5		13	
6			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

खंड - क/ SECTION - A

1. (a) "लोक सेवा कल्याणकारी राज्य का मूल उद्देश्य है।" इस कथन के संदर्भ में उन 'लोक सेवा मूल्यों' का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिये, जिनकी सभी लोक सेवकों को आकांक्षा करनी चाहिये।
(150 शब्द) 10

"Public service is the basic objective of the welfare state". In the context of this statement, enumerate 'Public Service Values' towards which all public servants should aspire.
(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान समय में विश्व के अधिकांश देशों राज्य का स्वरूप लोककल्याणकारी है, जिसमें जनता का कल्याण करना प्रत्येक लोक सेवक का सर्वोत्तम लक्ष्य है। भारत में वसलिए लोक-सेवकों के लिए उनको आचरण संहिता एवं नैतिकता से संबंधित प्रमुख मूल्यों का समावेश। किया है जो निम्न है—

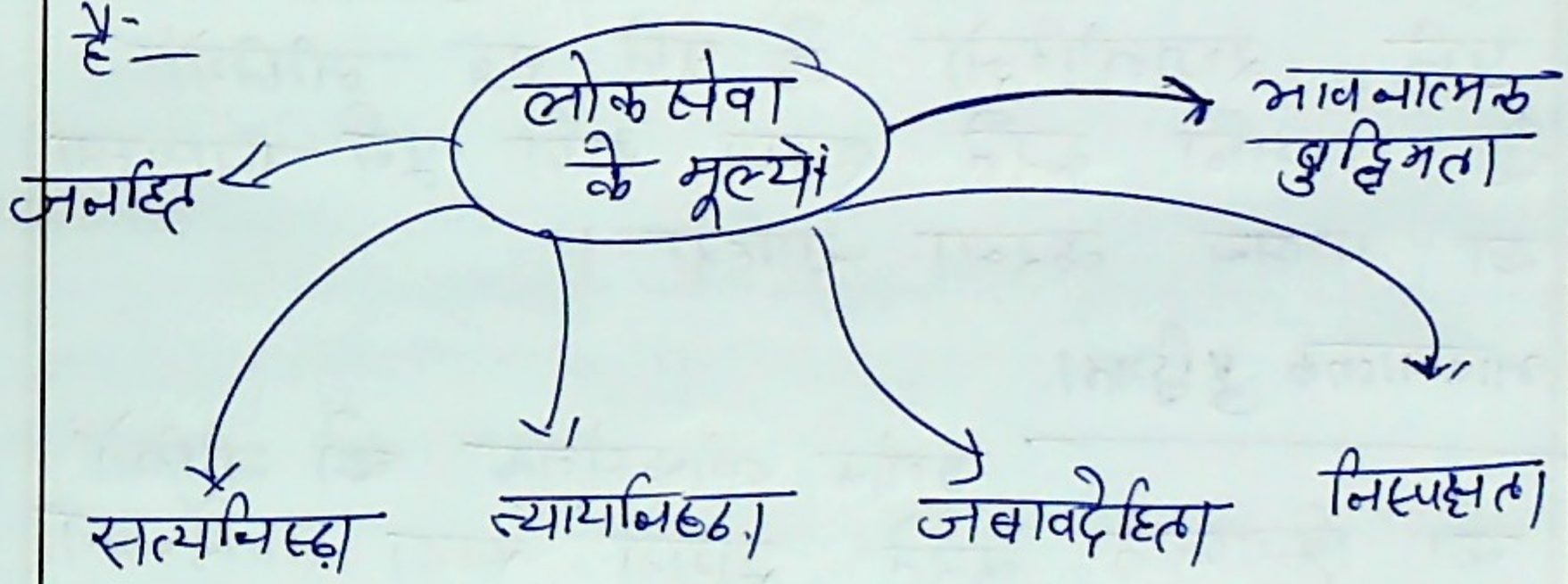

सत्यनिष्ठा: प्रत्येक लोकसेवक को जनता के प्रति, न्याय के प्रति तथा राजनीतिकों को नीति निर्माण मे सहयोग देते समय हमे सत्यनिष्ठा का पालन करना चाहिए। जनता को सदैव सत्यता के साथ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समस्त जानकारी समय पर उपलब्ध करानी चाहिए। ~~~~ जनकल्याण संबंधी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देना चाहिए

न्यायनिष्ठा

लोक सेवक अपने पद पर रहते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय देने ~~~~ ~~पड़ते~~ पड़ते है। इसलिए प्रत्येक लोकसेवक को पूर्ण न्यायनिष्ठा के साथ अपने निर्णयों का क्रियान्वयन करना चाहिए

निष्पक्षता

प्रत्येक लोकसेवक को जनता के प्रति, राजनीतिज्ञों के प्रति एवं नीतियों के निर्माण करते समय सदा पूर्ण निष्पक्षता का पालन करना चाहिए।

भावनात्मक बुद्धिमता

प्रत्येक लोकसेवक को नीतियों का क्रियान्वयन करते समय सदा तार्किकता और भावनात्मकता के मध्य सामंजस्य बनाते हुए जनकल्याणकारी निर्णय लेने चाहिए

अतः ~~~~ईमानदारी, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता, कार्यकुशलता, साहस और दृढ़ता के साथ अपने कर्त्तव्यों को निर्वहन करने से जनकल्याण को बढ़ावा दिया जा सकता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) शासन में शुचिता को सुनिश्चित करने हेतु 'आपराधिक न्याय प्रणाली' को सुदृढ़ता प्रदान करना सबसे आवश्यक है। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Strengthening of the 'Criminal Justice System' is one of the most important requisites for ensuring probity in governance. Analyse. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "हर साधन से अपनी संपत्ति अर्जित करो, परंतु यह समझो कि तुम्हारे द्वारा अर्जित धन तुम्हारा नहीं, समाज का है।" महात्मा गांधी के इस कथन का भारत में कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये।

(150 शब्द) 10

"Earn your wealth by all means. But understand your wealth is not yours; it belongs to society." Analyse this statement of Mahatma Gandhi with reference to present state of corporate governance in India.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

महात्मा गांधी अपने 'ट्रस्टीशिप सिद्धान्त' के माध्यम से समाज मे समानता की स्थापना का प्रयास करते है। इसके माध्यम से गांधीजी कहते है प्रत्येक व्यक्ति अपनी सम्पति का मालिक नही बल्कि 'ट्रस्टी' है। इसलिए उसे हमेंशा इस सम्पति का प्रयोग समाज के हित मे करना चाहिए।

वर्तमान मे कॉर्पोरेट व्यवस्था मे प्रत्येक कम्पनी पर निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व निर्धारित किया गया है। जिसके माध्यम से प्रत्येक निगम अपनी सम्पति का कुछ हिस्सा जनता के हित और समाज के कल्यावकारी कार्यो पर व्यय करती है। यह प्रत्येक निगम का नैतिक दायित्व है।

कॉर्पोरेट शासन इसके माध्यम से पर्यावरण, कमजोर लोगो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के हित मे निरन्तर कार्य करता है। साथ ही इसके माध्यम से अपनी पर्यावरण एवं प्रकृति के प्रति जवाबदेहिता निभाता है।

परन्तु कभी-कभी निगम इसका पालन नही करता जिसका प्रमुख कारण कार्पोरेट शासन व्यवस्था मे प्रचलित भ्रष्टाचार, नियमों का प्रभावी क्रियान्वन का अभाव, इसको विनियमित करने वाली ~~निकाय~~ संस्था का अभाव इत्यादि।

इस हेतु हमे कार्पोरेट शासन व्यवस्था मे निम्न सुधार करने होंगे।

- कम्पनी अधिनियम- 2013 को और ज्यादा प्रभाव बनाया तथा उसमें सीएसआर की अनुपालना को नैतिक दायित्व बनाया जाए
- इनका अनुपालन करने वाली निगम को विशेष सुविधाऐं देकर उसे प्रोत्साहित किया जाए।

इस प्रकार सीएसआर का प्रयोग समाज एवं कल्याणकारी कार्यों के किया जाए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. (a) सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम एक पथ प्रदर्शक विधान है, जो गोपनीयता के अंधकार से पारदर्शिता के युग में प्रवेश का संकेत देता है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The Right to Information (RTI) Act is a path-breaking legislation which signals the march from darkness of secrecy to the dawn of transparency. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रमुख राजनीतिक विचारक 'मैकफर्सन' ने सहभागी लोकतंत्र को स्पष्ट करते हुए कहा कि जिस शासन मे जनता की भागीदारी प्रत्यक्ष रूप से अधिक हो उसे ही सहभागी लोकतंत्र कहा जाता है।

सूचना का अधिकार के माध्यम से नागरिकों को सरकार के द्वारा किये जा रहे कार्यों तथा लिये जा रहे नीतिगत निर्णयों के बारे मे पूर्व जानकारी उपलब्ध हो सकेगी जिसके माध्यम से जनता अपने लोकसेवकों की कार्यप्रणाली का आकलन कर सकेगी।

इससे जनता की नीतियों, निर्णयों तथा योजनाओं के क्रियान्वन मे प्रत्यक्ष हिस्सेदारी बढेगी। कोई भी सूचना जनता प्राप्त कर सकेगी। इससे लोकसेवकों की जवाबदेहिता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बढ़ेगी। उनके द्वारा जनकल्याणकारी कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा सकेगा।"

जनता अपने ऊपर किये जारहे खर्च का भी निगरानी रख सकेगी। इससे प्रशासन में भ्रष्टाचार, पारदर्शिता, जवाबदेहिता एवं उत्तरदायित्व बढ़ेगा। जनता की प्रत्यक्ष भागीदारी प्रशासन बढ़ेगी। लोकतंत्र मजबूत होगा।

सूचना का अधिकार सरकार या लोकसेवकों द्वारा विभिन्न विषयों को गोपनीय रखकर उसे अंधकार में रखा जाता था इससे मुक्ति दिलायेगा। अब प्रत्येक लोकसेवकों का यह ~~कर्तव्य~~ नैतिक दायित्व है कि वे समय-समय पर जनता को अपने लिये गये निर्णयों, किये गये कार्यों की जानकारी जनता के समक्ष उपलब्ध करायें।

इस प्रकार RTI ने प्रशासन में खुलापन बढ़ाया। जिससे प्रशासन में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा बढ़ी और जनहितकारी कार्यों में वृद्धि हो रही है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) प्रशासनिक व्यवहार समाज की सामान्य संस्कृति की एक उप-संस्कृति है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

(150 शब्द) 10

The administrative culture is a sub-culture of the common culture of the society. Critically examine.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

प्रत्येक लोक सेवक से प्रशासनिक व्यवहार जैसे ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, निस्पक्षता, न्यायनिष्ठा, साहस एवं निर्णयक्षमत्वादि गुणों का समावेश समाजीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से होता है।

समाजीकरण की प्रक्रिया

परिवार स्तर
- इसके अन्तर्गत प्रत्येक व्यक्ति अपनी प्राथमिक अवस्था में परिवार से अधीनस्थता, मान-सम्मान करना, बड़ों का सम्मान तथा सामाजिक संवेदनशीलता जैसे गुणों को सीखता है।

शिक्षण संस्थानों
- इनके माध्यम से उसमें ज्ञान और निर्णय निर्माण की क्षमता बढ़ती है।

सोशल मीडिया
- अपने विचारों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने तथा निर्णयों में गुणवत्ता को बढ़ावा मिलता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

और प्रत्येक प्रशासनिक व्यवहार का विकास समाज के व्यापक सांस्कृतिक के आधार पर होता है।

इसलिए लोकसेवकों के व्यवहार को निर्धारित करने में और उनकी मनोवृत्ति के विकास में सामाजीकरण की प्रक्रिया महत्वपूर्ण है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. (a) निगमित (कॉर्पोरेट) सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं है बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Corporate Social Responsibility (CSR) is not just a social responsibility but a moral obligation too. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) लोक सेवा वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार की जाँच तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिये ई-शासन महत्त्वपूर्ण है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

e- Governance is vital for checking corruption and enhancing transparency in the public service delivery system. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सरकारी सेवाओ का वितरण यदि वास्तविक लाभार्थियों को मिल जाता है तो इससे समाज की समस्या समाप्त हो सकती है परन्तु वर्तमान मे व्याप्त भ्रष्टाचार इसके सम्मुख एक प्रमुख समस्या है।

जब तक वितरण प्रणाली मे व्यक्तियों का अधिकतम हस्तक्षेप रहेगा तब तक इनके भ्रष्टाचार की ज्यादा संभावनाएं रहेगी। परन्तु यदि ईशासन को बढ़ावा दिया तो व्यक्ति की संख्या को सीमित किया जा सकता है इसलिए भ्रष्टाचार की जाँच एवं पारदर्शिता बढ़ाई जा सकती है। इस हेतु सरकार द्वारा प्रमुख प्रणालियों को बढ़ावा दिया गया।

- DBT के माध्यम से लाभार्थियो के खातों मे सीधा भुगतान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- कर का भुगतान हेतु आनलाइन तंत्र को बढ़ावा
- सरकारी सभी योजनाओं में ई-शासन को बढ़ावा दिया
- ग्रामीण क्षेत्रों में CSC के माध्यम से उनको विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ मिलना

इस प्रकार ई-शासन के माध्यम से प्रत्येक स्तर पर मानवीय हस्तक्षेप कम होने तथा प्रत्येक कार्य को डिजिटल करने से इस पर नियंत्रण लगाया जा सकता। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार कम होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

5. 'अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में मूल मुद्दा यह है कि किसी एक के हितों के साथ दूसरे के मूल्यों का मिलान कैसे किया जाए।' विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

A basic issue in international relations is how to reconcile one's interests with values one professes. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अंतर्राष्ट्रीय संबंध मे एक देश दूसरे देश के साथ अपने राष्ट्रीय हितो की सर्वोच्चता देकर संबंध स्थापित करता है। तथा किसी भी स्थिति मे अपने राष्ट्रीय हितो के साथ समझौता नही कर सकता है।

इसी सर्वोच्चता के कारण अंतर्राष्ट्रीय संबंधो मे नैतिक मूल्यों का समावेश नही हो पाता है। क्योंकि प्रत्येक राष्ट्र का राष्ट्रीय मूल्य उसकी संप्रभुता, उसकी एकता, अखंडता, राष्ट्र के लोगो का जीवन स्तर सुधारना उनकी सुरक्षा करना। और प्रत्येक राष्ट्र इन्ही मूल्यो को अपना राष्ट्रीय हित मानता है और इन्ही के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संबंध स्थापित करता है। तथा इसी प्रकार प्रत्येक राष्ट्र अपने राष्ट्रीय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

मूल्यों को अपना राष्ट्रीय हित निर्धारित करता है तथा इन राष्ट्रीय हितों में सामंजस्य स्थापित नहीं होने के कारण सदा संघर्ष, अशांति तथा अविश्वास का वातावरण बना रहता है।

इस हेतु सभी राष्ट्रों को सम्पूर्ण विश्व के समक्ष उत्पन्न मूल्यों जैसे पर्यावरण की सुरक्षा, आतंकवाद का नाश, मुखमरी एवं गरीबी की समाप्ति, महिलाओं के हितों की सुरक्षा आदि का अनुपालन करना चाहिए।

ऐसा करते समय इन्हें अपने राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर इनको पूरा करने का प्रयास करना चाहिए।

इस प्रकार विश्व समुदाय के मूल्यों को यदि सभी देश अपना राष्ट्रीय हित बनाये तो हितों एवं मूल्यों में सामंजस्य स्थापित हो सकता है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. लोक सेवा के संदर्भ में निम्नलिखित पदों की प्रासंगिकता का उदाहरण सहित परीक्षण कीजिये: (150 शब्द) 10

Examine the relevance of the following in the context of civil service by citing relevant examples: (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(a) लक्ष्य के प्रति सत्यनिष्ठा

Honesty of purpose

लोकसेवक नीतियों का क्रियान्वयन करते समय सदैव सत्यनिष्ठा का अनुसरण करे तथा जनता को समय पड़ने पर सत्यता के साथ जानकारी उपलब्ध करायें जिससे जनता पर उनके उपर विश्वास बढेगा। जैसे किसी क्षेत्र में आयी प्राकृतिक आपदा की समयपूर्व जानकारी सत्यताके साथ जनता को उपलब्ध कराकर जनधन की हानि से बचाया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) जवाबदेहिता

Accountability

लोकसेवकों को सत्ता और संसाधन जनता से प्राप्त होते है इसलिए उन्हे अपने कार्यों को पूर्व जवाबदेहिता के साथ पूर्ण करना चाहिए। उनमें आत्मसमर्पण की भावना हो ताकि किसी भी कार्यक्रम, नीति का क्रियान्वयन प्रभावी रूप से कर सकने मे सक्षम हो सके तथा अपनी जनता के प्रति जवाबदेहिता सिद्ध कर सके।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) विधि का शासन

Rule of law

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रत्येक लोकसेवक विधी का अनुसरण करते हुए सभी के साथ निष्पक्षता का पालन करे तथा सरकारी राजनैतिक पदाधिकारियों को विधी निर्माण से संबंधित जो आंकडे तथ्य उनके द्वारा राजनेताओं का उपलब्ध करवाये जाते है उनके पूर्ण स्पष्टीकरण होना चाहिए।

सभी कार्य संवैधानिक नैतिकता और संबंधित विधी का अनुसरण करते हुए करना चाहिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(d) हित-संघर्ष

Conflict of interest

लोकसेवक अपने पद पर रहते हुए कई महत्वपूर्ण कार्य करते है इन कार्यों को सम्पादित करते समय कभी कभी व्यक्तिगत हित और सार्वजनिक हितो के मध्य द्वन्द्व की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसी स्थिति मे लोकसेवक को ज्यादातर प्रयास दोनो के मध्य सामंजस्य स्थापित करने का करना चाहिए परन्तु सार्वजनिक हित को सर्वोच्चता देनी चाहिए क्योंकि वे जनता की सत्ता और सम्पदा का उपयोग करते है तो उसी के हित के कार्य करने चाहिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(e) प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत

Principles of natural justice

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रत्येक लोक सेवक अपने कार्यों का सम्पादित करते समय प्राकृतिक न्याय का अनुसरण करना चाहिए क्योंकि प्राकृतिक न्याय से जनता के विश्वास में वृद्धि होगी। संवैधानिक नैतिकता स्थापित होगी तथा जहां न्याय होगा वही शांति स्थापित हो सकती है। इसलिए समाज के सभी वर्गों का ध्यान में रखकर अपनी नीतियों का क्रियान्वयन करना चाहिए परन्तु पिछड़े हुए वर्गों पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिये क्या अर्थ है?

What do each of the following quotations mean to you in the present context?

(a) "न्याय-परायणता शांति तथा सुशासन की आधारशिला है।" -कन्फ्यूशियस (150 शब्द) 10

"Righteousness is the foundation stone of peace and good governance." – Confucius (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस के अनुसार 'न्याय - परायणता शांति तथा सुशासन की आधारशिला है'। इसके अनुसार यदि समाज में प्रत्येक व्यक्ति को उसकी योग्यता क्षमता के अनुसार राज्य के कार्यों को संपादित करने तथा पुरस्कार करने में भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। जिससे न्याय की स्थापना हो सकेगी।

यदि प्रत्येक व्यक्ति के साथ न्याय किया जाये तो समाज के सभी लोगो का शासन के विश्वास बढ़ेगा। उसका अनुपालन अधिक सुकृता से करेंगे। क्योंकि सेवा करने सरकार और जनता के दूरी कम होगी और सुशासन स्थापित होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

यदि समाज के किसी वर्ग विशेष, समूह विशेष को उसके अधिकारों को नहीं दिया जाता है तो वह उसका शासन से विश्वास उठ जाएगा तथा वह शासन के विरुद्ध क्रांति कर देगा जिससे अशांति बढ़ेगी।

इस हेतु शांति और सुशासन की नींव किसी भी शासन प्रणाली के न्याय के रूप में होती है। इसलिए न्याय ही सुशासन का प्रमुख तत्व है। इसी संदर्भ में किसी ने सत्य ही कहा

'एक जगह हुआ अन्याय सब जगह शांति को समाप्त कर देता है।'

इस प्रकार सदा प्रत्येक शासक को सभी के साथ उचित व्यवहार करना चाहिए तथा उनके हितों की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "मैं लोकतंत्र को ऐसी वस्तु के रूप में समझता हूँ, जो कमज़ोर को भी मज़बूत के समान ही मौका देती है।" - महात्मा गाँधी (150 शब्द) 10

"I understand democracy as something that gives the weak the same chance as the strong." – Mahatma Gandhi (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

गाँधीजी लोकतंत्र में सबकी भागीदारी सुनिश्चित करता है। गांधीजी के अनुसार लोकतंत्र में जनता की जितनी अधिक भागीदारी होगी लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा।

लोकतंत्र स्वतंत्रता और समानता पर आधारित एक शासन व्यवस्था है। जिसमें सभी व्यक्ति को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का पूर्ण अधिकार होता है। गांधीजी के अनुसार लोकतंत्र में व्यक्ति अपनी योग्यता और क्षमता के आधार पर अपनी पहचान निर्धारित करता है। इसलिए यदि कोई व्यक्ति सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर है परन्तु उसमें योग्यता एवं क्षमता है तो वही भी अपने आप को सक्षम कर सकता है साथ ही लोकतंत्र वितरणात्मक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

न्याय की स्थापना करता है। जिसके अनुसार समाज के कमजोर, वंचित वर्गों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए विशेष सुविधाएं करता है। ताकि उनको भी मजबूत बनाया जाये।

गाँधीजी कहते हैं लोकतंत्र में सभी को अपनी योग्यता सिद्ध करने का मौका मिलता है इसलिए यदि किसी व्यक्ति में क्षमता और योग्यता है तो वह अपने आप को सक्षम बना सकता है।

इसीलिए गाँधीजी शासन का पूर्वलोकतांत्रिकरण पर बल देते थे। जिसमें उन्होंने पंचायतों के माध्यमों से सबकी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही। ताकि सभी को अपने विकास के अवसर मिल सके।

यही आज लोकतंत्र के सफल हो रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) "बिना हृदय को शिक्षित किये मस्तिष्क को शिक्षित करना, कोई शिक्षा नहीं है।" -अरस्तू
(150 शब्द) 10

"Educating the mind without educating the heart is no education at all". –Aristotle
(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अरस्तु इसके माध्यम से शिक्षा मे नैतिकता एवं मूल्यों का समावेश करता है। अरस्तू का मानना है कि शिक्षा मात्र सूचनाओं की जानकारी या ज्ञान बढ़ाना ही नही है। बल्कि शिक्षा मे सहिष्णुता, नैतिकता, सत्यनिष्ठ सह-अस्तित्व, सामाजिक सद्भावना जैसे मूल्यों को शामिल किया जाना चाहिए।

नैतिक रूप से शिक्षित व्यक्ति समाज, राष्ट्र तथा सम्पूर्ण मानवता के कल्याण के बारे मे सोचता है। वह निरन्तर अपने स्वार्थो को ध्यान मे ~~रखकर~~ न रखकर सदा परहित की सोचते है तथा उनके लिए ही कार्य करते है।

उदाहरण के लिए- यदि प्राचीन भारतीय गुरुकुल शिक्षा पद्धति को देखा जाए तो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

स्पष्ट होता है वहाँ शिक्षा में मूल्यों का समावेश होता था इसलिए व्यक्तियों में अपने गुरु, समाज तथा सम्पूर्ण मानवता के प्रति संवेदनशीलता होती थी।

वही वर्तमान समय की शिक्षा केवल तकनीकी तथा आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाली है जिसमें केवल भौतिकतावादी शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है और ~~व्यक्तित्व~~ इस भौतिकवादी शिक्षा से सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है सामाजिक बिखराव बढ़ रहे हैं। और समाज में विभिन्न प्रकार के अपराध बढ़ रहे हैं और मनुष्य शिक्षित होकर भी गुणवान नहीं रहा

इस प्रकार अरस्तु का मानना था कि जब तक शिक्षा हृदय अर्थात मूल्यों एवं भावनाओं पर आधारित नहीं होगी व्यक्ति वास्तविक रूप से शिक्षित नहीं कहलायेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - ख/ SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. आदिवासी, समाज की मुख्य धारा से अलग रहने वाले लोग हैं, जो अपनी विशिष्ट संस्कृति एवं रहन-सहन के लिये जाने जाते हैं। ये हमेशा से आकर्षण के केंद्र रहे हैं। न केवल देशी बल्कि विदेशी पर्यटक भी इनकी संस्कृति को जानने के लिये उत्सुक रहते हैं। सरकार द्वारा कानून बनाकर इनकी स्वायत्तता को सुनिश्चित किया गया है। इस कानून के अनुसार, कोई भी व्यक्ति आदिवासियों के वासस्थल पर नहीं जा सकता है, किंतु स्थानीय मछुआरों द्वारा अवैध तरीके से विदेशियों से अधिक पैसा लेकर उन्हें आदिवासियों के क्षेत्रों में पहुँचाया जाता है। कुछ धर्म प्रचारक भी वहाँ अपने धर्म का प्रचार करने का प्रयास कर रहे हैं। यह मामला प्रकाश में तब आया, जब एक विदेशी व्यक्ति की आदिवासियों द्वारा हत्या कर दी गई, जिसने अवैध तरीके से आदिवासियों के इलाके में प्रवेश किया था।

इस संदर्भ में सरकार द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक टीम गठित की गई है। आदिवासी मामलों के जानकार होने के नाते आपको उस टीम का नेतृत्व दिया गया है, जिसे कानून के उल्लंघन की जाँच एवं इन अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के प्रति अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी है। इस समस्या के संदर्भ में उठाए गए तात्कालिक और दीर्घकालिक कदमों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 20

Tribals are people living separately from mainstream society, who are known for their distinct culture and lifestyle. They are always the centre of attraction. Not only native but also foreign tourists are eager to know about their culture. Their autonomy has been ensured by the Government by enacting a law. According to this law, nobody can go to the homestead of the tribals. But foreign tourists are illegally charged exorbitantly and are taken to tribal areas by the local fishermen. Also, some religious preachers are trying to propagate their religion. The matter came to light when a foreigner, who had illegally entered the tribal area, was murdered by tribals.

A team has been formed through quick action of the government in this connection. As an expert in tribal affairs, you have been given the leadership of the team, which has to investigate violations of law and recommend disciplinary action against those indulging in these illegal activities. Suggest the immediate and long-term steps that can be taken with respect to this problem.

(250 words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

इस प्रकरण मे आदिवासियों की संस्कृति की सुरक्षा तथा सरकार के कानून का पालन करना सर्वप्रथम लोकसेवक होने के नाते मेरा मुख्य कर्तव्य है। इस हेतु मैं कुछ महत्वपूर्ण कार्यों का क्रियान्वन करूंगा

समस्या

- स्थानीय मछुआरे द्वारा अवैध प्रवेश कराना
- धर्म प्रचारोंका प्रवेश

समस्या का समाधान

→ अल्पकालीन समाधान

→ दीर्घकालीन समाधान

अल्पकालीन समाधान

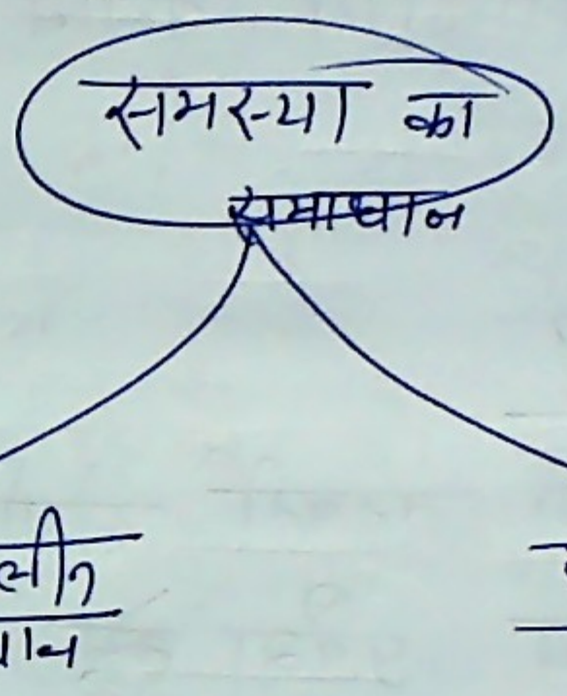

- सर्वप्रथम संबंधित मामले का पूर्णत विश्लेषण कर इसके जिम्मेदार कारणों को निर्धारित करूंगा।
- जिन मछुओं द्वारा किये जा रहे अवैध तरीके के प्रवेश को रोकने हेतु उन पर कठोर कार्यवाई करूंगा।
- तटीय क्षेत्र के सुरक्षा कर्मी को इनकी जानकारी उपलब्ध कराकर उनके साथ अवैध प्रवेश को रोकने का प्रयास करूंगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

• आदिवासियों के नेताओ के साथ मिलकर उनको समझाने का प्रयास करूँगा कि इस तरह की हत्या मानवीयता के विरुद्ध है।

• आदिवासियों की संस्कृति को और अधिक लोकप्रिय बनाने का प्रयास करूंगा।

दीर्घकालीन समाधान

० सर्वप्रथम तटवर्ती क्षेत्रो के माध्यम से हो रहे अवैध प्रवेश को रोकने हेतु सुदृढ़ निगरानी तंत्र स्थापित करूँगा।

० विदेशी पर्यटकों को पर्यटन हेतु आदिवासी क्षेत्रो को विनियमित करूंगा। जहाँ आदिवासी अपनी संस्कृति को भी बनाये रखने में सक्षम होंगे।

० पर्यटन को एक निश्चित समयावधि के लिए चालू रखा जायेगा तथा पर्यटको को आदिवासियो की संस्कृ

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के साथ किसी भी प्रकार की कोई छेड़छाड़ ना करे इसके लिए जागरूक एवं सचेत करने हेतु कार्यक्रम चलाऊंगा

• आदिवासियों के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास हेतु प्रचलित नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दूंगा ताकि आदिवासियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जाए

• आदिवासियों को भी विदेशी पर्यटकों के लाभ से अवगत कराने हेतु पर्यटन जागरूकता अभियान का क्रियान्वयन किया जाए।

• धर्म प्रचारकों को गलत तरीके से किये जा रहे धर्म के प्रचार को संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार करने का प्रयास करूंगा ताकि किसी के अंतःकरण की स्वतंत्रता समाप्त ना हो।

इस प्रकार इन प्रयासो के माध्यम से आदिवासियों की संस्कृति को तथा पर्यटनों को उनके हितैषी लाभकारी बनाने का प्रयास करूंगा।

www.d...
Contact: 87...
Copyright...

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

10. आप एक ईमानदार एवं कर्त्तव्यनिष्ठ लोकसेवक हैं। ज़िलाधिकारी के तौर पर आपकी नियुक्ति एक ऐसे क्षेत्र में हुई है जो धार्मिक मामले में अत्यंत संवेदनशील है। उस ज़िले में एक अत्यंत प्राचीन धार्मिक स्थल अवस्थित है, जहाँ एक धार्मिक मान्यता के कारण कम आयु वर्ग की महिलाएँ आज तक प्रवेश नहीं पा सकी हैं। यह निःसंदेह एक नागरिक के तौर पर महिलाओं को संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। महिलाओं के हित में कार्य करने वाली एक संस्था ने देश के सर्वोच्च न्यायालय में उक्त भेदभाव को समाप्त करने से संबंधित याचिका दायर की, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने महिलाओं के पक्ष में निर्णय देते हुए धर्मस्थल पर उनके प्रवेश निषेध को समाप्त करने हेतु सरकार को आदेश दिया है। ज़िला स्तर पर इसका अनुपालन कराने की ज़िम्मेदारी आपको दी गई है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का कुछ धार्मिक समूहों– श्राइन बोर्ड (Shrine Board) के साथ-साथ आम लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है, जिन्हें कुछ राजनीतिक दलों का सहयोग भी प्राप्त है। उनका तर्क है कि संविधान द्वारा धार्मिक मामलों में उन्हें स्वतंत्रता प्रदान की गई है। ऐसे में कुछ महिलाएँ जो धर्मस्थल में प्रवेश का प्रयास कर रही थीं, उनको अन्य भक्तों द्वारा रोक दिया गया एवं उनके साथ बदसलूकी भी की गई और यह घोषित कर दिया गया कि जो भी महिला ऐसा करने का प्रयास करेगी, उसका खामियाज़ा उसे भुगतना होगा। ऐसे में उन महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठता है।

(a) इस प्रकरण में अंतर्निहित नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिये।

(b) इस स्थिति में आपके समक्ष उपस्थित विकल्पों को बताते हुए उनके गुण-दोषों की चर्चा कीजिये और बताएँ कि आप किस विकल्प का चयन करेंगे? (250 शब्द) 20

You are an honest and conscientious public servant. Your appointment as a district officer has been in a region that is highly sensitive to religious matters. A very ancient religious place is located in the district where women in the lower age group have not been able to enter till today due to religious beliefs. It is, of course, a violation of the fundamental rights provided by the Constitution to women as citizens. An institution working for women's welfare filed a petition in the Supreme Court of the country to end the discrimination on which the Court, by giving a judgment in favour of women, has ordered the government to end the prohibition of admission to the shrine. You have been given the responsibility of complying with the order at the district level. The Supreme Court judgement is being opposed by some religious groups, shrine board as well as by the common people who are also being encouraged by some political parties. Their argument is that they have got freedom by the Constitution in religious matters. Some women who were trying to enter the shrine were stopped and mistreated by other devotees and it was declared that women who tried to do so will have to suffer the consequences. In this situation, the issue of safety of such women has arisen.

(a) Explain the underlying ethical issues in this episode.

(b) In this case, discuss the options available to you mentioning the merits and demerits of each option. What option will you choose and why? (250 words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समस्या का विश्लेषण :

- महिलाओं का प्राकृतिक न्याय एवं मौलिक अधिकार ।
- धार्मिक स्वतंत्रता का प्रश्न,
- उच्चतम न्यायालय का आदेश की अनुपालना का विभिन्न स्तरों पर विरोध ।
- महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित समस्या ।

हित समूह

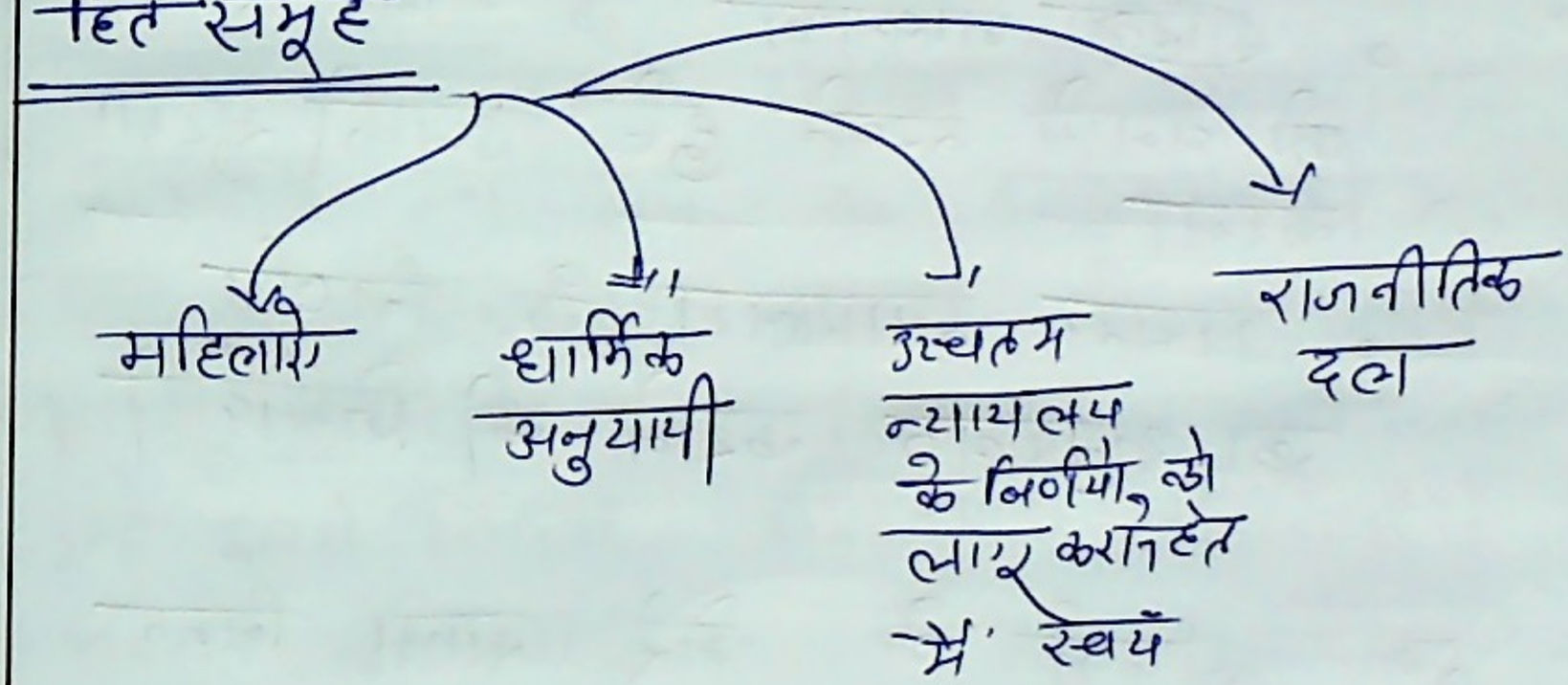

उपयोगी मूल्य

इस समस्या के समाधान करते समय मै० निम्न लोकसेवक के मूल्यों का अनुसरण करूंगा

- सत्यनिष्ठा एवं ईमानदारी
- निष्पक्षता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- कर्तव्यनिष्ठा
- जवाबदेहिता एवं भावनात्मक बुद्धिमत्ता

अंतर्निहित नैतिक मुद्दे :→ इसके अंतर्गत प्रमुख नैतिक मुद्दे शामिल होंगे -

- संवैधानिक मूल्य एवं नैतिकता
- समानता का अधिकार
- लैंगिक न्याय की स्थापना
- धार्मिक स्वतंत्रता को बनाये रखना
- महिलाओं महिलाओं के मान-सम्मान को बनाये रखते हुए उनकी सुरक्षा करना
- उच्चतम न्यायलय के निर्णय का अनुपालन कराने की जिम्मेदारी।

इस संदर्भ मे मेरे समक्ष निम्न विकल्प होंगे —

प्रथम विकल्प : मैं माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश का अनुपालन करते हुए मंदिर मे महिलाओं के प्रवेश कराने हेतु उनकी सुरक्षा का प्रावधान कराऊँगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(विकल्प)

पक्ष
- इससे न्यायालय के आदेश का अनुपालन होगा
- महिलाओं के हितों की सुरक्षा एवं लैंगिक न्याय की स्थापना हो सकेगी

विपक्ष
- विरोध होने के कारण कानून व्यवस्था बिगड़ने का खतरा
- महिलाओं की सुरक्षा एवं धर्म विशेष की स्वतंत्रता का हनन

द्वितीय विकल्प

इसके अंतर्गत मैं माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश की अनुपालना पर पुनर्विचार हेतु सरकार से पुनर्याचिका दायर करने का निवेदन करूंगा तथा उन्हें इससे उत्पन्न अराजकता की स्थिति से अवगत कराऊंगा।

विकल्प II

पक्ष –
- कानून व्यवस्था बनी रहेगी
- धर्म, विशेष की स्वतंत्रता एवं महिलाओं की सुरक्षा

विपक्ष
- उच्चतम न्यायालय की अवमानना
- महिलाओं के अधिकारों का हनन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तीसरा विकल्प। इसके अंतर्गत मै निम्न प्रयास करूँगा। -

- सबसे पहले धार्मिक स्थल के संरक्षकों से बातचीत कर उनको उच्चतम न्यायालय के आदेश की औचित्यता समझाऊंगा।
- उनसे यह निवेदन करूंगा कि आप इस कानून को हटा दे तथा व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को मंदिर की मर्यादाओं के बारे में अवगत करायें।
- यदि समझाने से बात नही बनेगी तो महिलाओं की पूर्ण सुरक्षा करते हुऐ उच्चतम न्यायालय के आदेश का पालन कराऊँगा। क्योंकि यह संवैधानिक नैतिकता के अनुरूप है।
- राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियो से इस निर्णय का पालन हेतु सहयोग मॉगने की कोशिश करूंगा।

अतः यह विकल्प सर्वोत्तम है मै इसी विकल्प का चयन करूंगा क्योंकि यह सामाजिक नैतिकता के साथ-साथ संवैधानिक नैतिकता को प्रोत्साहन देता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

11. खेल मानव जीवन में सिर्फ मनोरंजन के साधन न होकर आत्म-नियंत्रण, सद्गुण, सहिष्णुता, सत्यनिष्ठा तथा सामाजिक शिष्टता के प्रभावी स्रोत भी होते हैं, किंतु खेल 'निष्पक्ष व्यवहार' तथा 'समान अवसर' प्रदान करने वाली भावना को तभी आगे बढ़ा सकते हैं जब खेलों में खेल नैतिकता से जुड़े मूल्यों को संवर्द्धित किया जाए तथा खेल से जुड़े लोगों द्वारा इन मूल्यों को आत्मसात् किया जाए। हाल में मीडिया में कुछ ऐसे प्रकरण सामने आए हैं, जिनमें खेल से जुड़े कुछ प्रमुख व्यक्तित्वों द्वारा विवादित टिप्पणी करना न केवल खेल भावना एवं खेल नैतिकता का अपमान है बल्कि सामाजिक दायित्वों की भी उपेक्षा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आप एक खेल विनियामक संस्था के प्रमुख हैं तथा आपको उपर्युक्त प्रकरण को ध्यान में रखते हुए खेल नैतिकता में आई इस तरह की गिरावट को दूर करने के लिये आवश्यक सुझाव देने के लिये कहा गया है। इन परिस्थितियों में आप क्या सुझाव देंगे? (250 शब्द) 20

Sports are also an effective source of self-control, virtue, tolerance, integrity and social decency and not just means of recreation in human life. But sports can promote the spirit of 'fair behaviour' and 'equal opportunities' only if games incorporate the moral values and people associated with sports inculcate these values. Recently, there has been some mention in the media where certain prominent sports personalities are giving controversial comments. It is not only insulting to the sporting spirit and sports ethics but also disregards social obligations.

You are the head of a sports regulatory body and you have been asked to give necessary suggestions to rectify decline in sports ethics keeping in view the above mentioned case. What would you suggest in these circumstances? (250 words) 20

किसी महापुरुष ने कहा है कि यदि खेल में नैतिकता और मूल्यों का समावेश ना हो तो खेल का मैदान को युद्ध का मैदान बनने में देर नहीं लगती है। इसलिए खेल में आत्मनियंत्रण सद्गुण, सहिष्णुता, सत्यनिष्ठा तथा सामाजिक शिष्टता जैसे गुणों का होना अति आवश्यक है।

हाल ही प्रमुख भारतीय खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

या अन्य संचार के साधनों पर ऐसी ~~टिप्पणीयां~~ टिप्पणियां की जो समाज की नैतिकता एवं उनके व्यक्तित्व के विरुद्ध थी। उदा० हाल ही में प्रमुख भारतीय क्रिकेटर 'हार्दिक पांड्या' द्वारा साथी टीम के खिलाड़ियों की पत्नियों को लेकर की गई गलत ~~टिप्पण~~ टिप्पणी ने खेल की नैतिकता एवं मूल्यों पर प्रश्न चिह्न लगा दिया है।

इसलिए खेल के इन व्यक्तियों को खेल की नैतिकता के साथ-साथ समाज, महिलाओं तथा ~~प्रतिस्पर्धी खिलाड़ियों~~ खिलाड़ियों ~~की~~ के प्रति सम्मान एवं गौरव बनाने जैसे मूल्यों का समावेश करना चाहिए। क्योंकि यदि खेल के इन प्रसिद्ध व्यक्तियों का व्यक्तित्व यदि नैतिकता का अनुपालन नहीं करेगा तो इससे भारतीय युवा पीढ़ी पर ~~बुरा~~ नकारात्म

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

प्रभाव पड़ेगा क्योंकि युवा इन्हीं व्यक्तियों के व्यक्तित्व का अनुसरण करते है।

इस हेतु युवाओं, तथा खेल मे ~~नैतिकता~~ आई नैतिक गिरावट को दूर करने हेतु निम्न प्रयास करूंगा।

- इन खिलाड़ियों को समय-समय पर समाज, परिवार, महिलाओं से संबंधित नैतिक मूल्यों की वृद्धि हेतु प्रशिक्षण करवाने का प्रयास करूंगा।

- खेल के टीम प्रबंधन में नैतिकता को प्रोत्साहन देने हेतु एक नैतिक कोच का शामिल करवाने का प्रयास करूंगा

- खिलाड़ियों को खेल की वास्तविक भावनाओं हेतु निम्न नैतिक मूल्यों का समावेश करवाने का प्रयास करूंगा
  - खेल को खेल की भावना से खेलना नाकि प्रतिद्वंदी की भावना से

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- हार जाने पर इसे सहृदयता से स्वीकार करना चाहिए
- जीतने पर विरोधी खिलाड़ियों पर गलत टिप्पणी नहीं करनी चाहिए
- खेल के नियमों का पूरी ईमानदारी 'सत्यनिष्ठा' से अनुसरण करें।

- समय-समय इनकी मानसिकता का परीक्षण किया जाए ताकि इनके मनोवैज्ञानिक भाव का आकलन किया जाए
- समस्त खिलाड़ियों की दिनचर्या में योग को अनिवार्य अंग बनाया जाए
- टीम प्रबंधन द्वारा नैतिकता एवं सामाजिक मानदंडों का उल्लंघन करने वाले खिलाड़ियों पर कठोर कार्रवाई करते हुए इन्हें एक-दो मैचों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

से निष्कासित करने जैसी व्यवस्था करनी चाहिए।

- सोशल मीडिया के प्रयोग को खेल के समय सीमित किया जाए।
- खिलाड़ियों का चयन करते समय उनकी मनोवृत्ति का भी आकलन करना चाहिए।

इस प्रकार खेल के नैतिकता, सहिष्णुता, सद्भावना जैसे मूल्यों को बनाते हुए। इनक खिलाड़ियों को इनके व्यक्तित्व के प्रभाव के बारे मे अवगत कराये तथा इनको अपनी नैतिकता एवं मूल्यों को भी बनाने का प्रयास करना ~~चहिए~~ चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों में अवैध प्रवासन एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। इस मुद्दे के समाधान के लिये वर्तमान सरकार असम जैसे राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को अद्यतन बनाने का प्रयास कर रही है। इस प्रयास से अवैध प्रवासियों की पहचान हो सकेगी तथा वैध नागरिकों के लिये संसाधनों को सुरक्षित किया जा सकेगा और आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को भी कम किया जा सकेगा, किंतु राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के क्रियान्वयन के साथ कई नैतिक एवं विधिक चिंताएँ भी उभरती हैं तथा यह रजिस्टर प्रवासन की समस्या के एक सीमित पक्ष को ही संबोधित करने में सक्षम है। आपको राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर से जुड़ी समस्याओं तथा अवैध प्रवासन की चुनौती से निपटने हेतु सलाह देने वाली समिति का अध्यक्ष बनाया गया है तथा आपसे यह अपेक्षा है कि आप अपने सुझावों में समस्या से जुड़े विषयों को समग्र रूप से संबोधित कीजिये।

उपर्युक्त परिस्थितियों में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के क्रियान्वयन से जुड़ी नैतिक चिंताओं को बताते हुए अपने द्वारा समस्या के समाधान हेतु प्रस्तुत किये जाने वाले नवीन उपायों की चर्चा कीजिये।

(250 शब्द) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Illegal migration has been a sensitive issue in the north-eastern states of India. To address this issue, the present Government is making efforts to update the National Register of Citizens in a state like Assam. This effort will enable identification of illegal migrants and secure resources for legitimate citizens and also address concerns related to internal security. But with the implementation of the National Register of Citizens, many ethical and legal concerns are emerging and this register is able to address only a limited aspect of the migration problem. You have been appointed as the Chairman of the Committee for dealing with problems related to the NRC and the challenge of illegal migration, and it is expected that in your suggestions, you should address issues related to the problem in totality.

In the above circumstances, mention the ethical concerns associated with the implementation of the National Register of Citizens and discuss the new measures that are proposed to be put in place by you to address the problem. (250 words) 20

हाल ही असम में अवैध प्रवासियों की पहचान करने हेतु असम समझौता का अनुपालन करने के लिए उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का अद्यतन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किया गया है। इस अध्ययन के दौरान लगभग ४० लाख लोगों को इस सूचि में शामिल ना कर उन्हें अवैध प्रवासी मान लिया जाएगा। इस हेतु हमारे समक्ष निम्न नैतिक एवं कानूनी चिंताएं उभरकर सामने आयेगी

NRC से संबंधित समस्याएं

नैतिक चिंताएं

- जिन लोगों को इससे बाहर रखा गया है उनको कहां भेजा जाएगा।
- उनके मानवाधिकार तथा उनके जीवन की सुरक्षा का दायित्व कौन लेगा।

वैधानिक चिंताएं

- अधिकांश लोग मूल रूप से भारतीय होने के बावजूद भी उन्हें इस सूचि में शामिल नहीं किया गया क्योंकि उनके पास उनकी पहचान हेतु कोई साक्ष्य नहीं थे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

• इतने दिनो से जिन्होने भारत मे अपनी सेवाऐं दी अब उनका क्या फल मिलेगा	• NRC के अंतर्गत निर्धारित मापदंडो मे अनियमितता
• लम्बे समय से रह रहे लोगो को हटाने से उनकी संस्कृति एवं सभ्यता पर नकारात्मक प्रभाव पड सकता है।	• उच्चतम न्यायलय ने अपने आदेश मे इसमे शामिल न होने वाले गैर प्रवासियो का कोई समाधान नही दिया
• भारत विश्व बंधुत्व की बात करता है तो इनको बाहर करना हमारी नैतिकता के विरुद्ध होगा	• इसका अनुपालन कठिन है क्योंकि इससे कानून व्यवस्था बिगडने से अराजकता एवं अशांति फैल सकती है।

इन उपर्युक्त समस्याओं को आकलन करते हुऐ मै इसके समाधान हेतु निम्न प्रयास करूंगा। –

• जिन लोगो के पास वास्तव मे अपनी ~~निवासिता~~ को सिद्ध करना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

हेतु कोई साक्ष्य नही सर्वप्रथम उनके लिए एक नया विकल्प दिया जाए

- अवैध प्रवासियों को शर्त के अनुसार अस्थायी नागरिकता प्रदान करनी चाहिए क्योंकि यदि कोई नागरिक शांति बनाये रखे और किसी भी प्रकार की असमाजिक गतिविधि मे शामिल नही होता उसे कुछ वर्षों बाद स्थायी नागरिकता दे देनी चाहिए

- अवैध प्रवासियों को उनकी वैधता साबित करने हेतु कुछ और समय दिया जाए।

- इसका अनुपालन करवाते समय सुरक्षा व्यवस्था को ~~उचित~~ कठोर कर दिया जाए ताकि किसी भी प्रकार की अशांति ना फैले।

- अवैध प्रवासियों को भारत मे आने रोकने के लिए सीमा क्षेत्रो

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उचित प्रबंधन किया जाए।

- इनको प्रवासियों को भारत में ही रखना पड़ेगा क्योंकि इनको किसी भी देश द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस हेतु इनकी पुर्नस्थापना का प्रयास किया जाना चाहिए

- समय-समय पर NRC का अद्यतन किया जाना चाहिए ताकि गैर-अप्रवासियों का पता लगाया जा सकता

अतः NRC से नैतिक एवं कानूनी समस्याएं उत्पन्न होगी परन्तु इसके लिए हमे सभी के हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. भारत में कभी 'रैट होल माइनिंग' तो कभी 'ओपन कास्ट माइनिंग' से जुड़ी बड़ी खनन आपदाएँ होती रही हैं। इन आपदाओं के पीछे भारत में होने वाला अवैज्ञानिक, अवैध तथा असुरक्षित खनन मुख्य कारण है। जब भी ऐसी आपदाएँ देश में चर्चा का केंद्र बनती हैं तो पदासीन सरकारें तथा प्रशासन तात्कालिक स्तर पर इसका समाधान भी कर देते हैं किंतु इस तरह की आपदाओं को रोकने हेतु सतत् समाधान के प्रति उदासीनता दिखाई पड़ती है, जिससे बार-बार ये आपदाएँ घटित होती हैं। ऐसी आपदाओं के बाद एक प्रशासकीय प्रवृत्ति यह भी देखी जाती है कि इसके लिये मुख्यतः सामान्य मानवीय मूल्यों को ही दोषी ठहराया जाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में असुरक्षित खनन गतिविधियों को सरकार व प्रशासन की मौन सहमति तथा खनिकों (Miners) का इस ओर आकर्षण मुख्यतः राजस्व एवं रोजगार की प्राप्ति से जुड़ा हुआ है, किंतु इस प्रकार की गतिविधियाँ जनधन की व्यापक हानि तथा पर्यावरणीय अवनति को भी उत्पन्न करती है। अतः ऐसी आपदाओं को घटित होने से रोकने तथा घटित होने के पश्चात् इनका सामना करने की समग्र तैयारी होनी चाहिये।

(a) उपरोक्त प्रकरण में अंतर्निहित नैतिक मुद्दों को उद्घाटित कीजिये।

(b) एक सक्षम अधिकारी के रूप में आप कुछ ऐसी व्यावहारिक रणनीतियों की चर्चा कीजिये, जिससे ऐसी आपदाओं को रोका जा सके एवं इनका सामना किया जा सके। (250 शब्द) 20

From 'rat hole mining' to 'open cast mining', India has witnessed major mining disasters. The main reason behind these calamities is the unscientific, illegal and unsafe mining in India. As and when such disasters are in the news, the incumbent governments and administration address it at the immediate level. But there is indifference to providing sustainable solutions which frequently causes such disasters. After such calamities, an administrative tendency has also been observed which puts the blame on victims.

The tacit consensus of the government and administration to unsafe mining activities in India and the attraction of miners are mainly linked to revenue and employment realization. But such activities also lead to widespread loss to public exchequer and environmental degradation. Therefore, there should be a holistic preparedness to prevent such calamities and to comprehensively cope if they occur.

(a) Identify the underlying ethical issues in the above case.

(b) As a competent authority, discuss some of the feasible strategies to prevent and combat such calamities. (250 words) 20

समस्या का विश्लेषण :-

- सतत समाधान के प्रति उदासीनता
- सरकारी राजस्व एवं रोजगार को बनाये रखना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- पर्यावरण एवं प्रकृति को नुकसान
- प्राकृतिक आपदाओं की पुनरावृत्ति से ~~प्राकृतिक आपदाओं~~ की जन-धन की हानि।

हित समूह

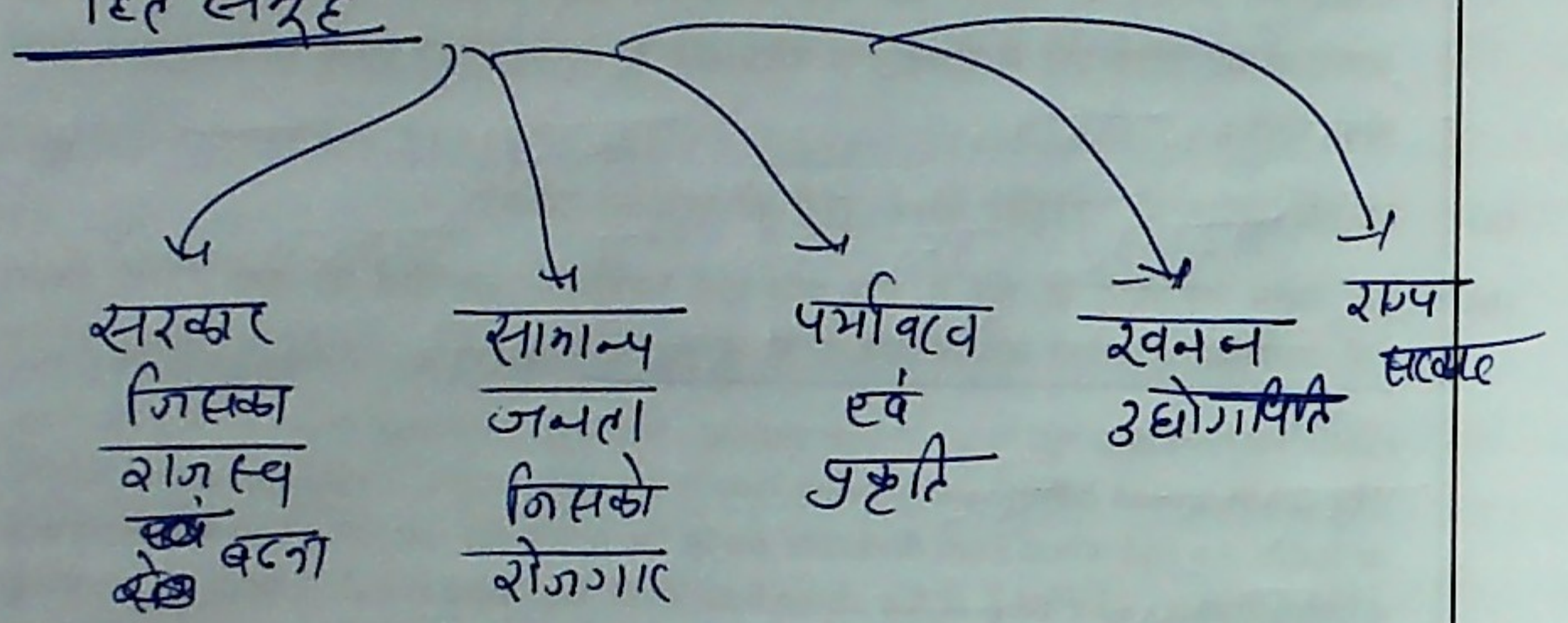

इन हित समूहों को ध्यान में रखकर मेन्स निम्नलिखित नैतिक मूल्यों का अनुसरण करना।

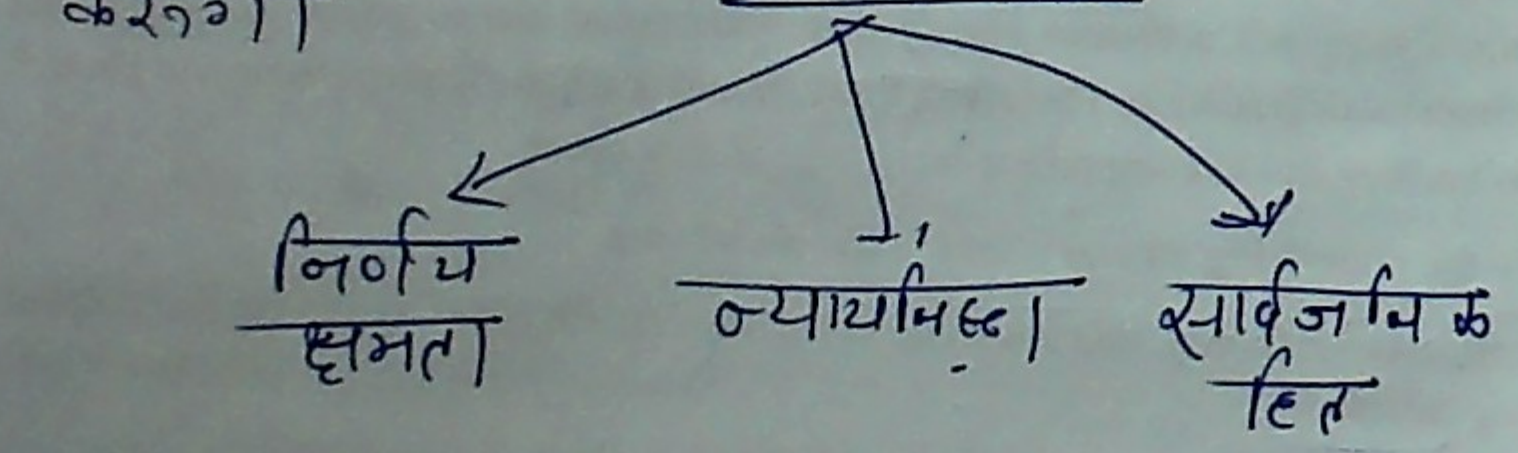

इस उपर्युक्त स्थितियों को देखते हुए मैं निम्न रणनीति को अनुसरण करूंगा —

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- इसके नियंत्रण हेतु एक अतिरिक्त सुरक्षा दल का गठन किया जाए ताकि इस प्रकार की खनन घटनाओं को रोका जा सके।

- इस खनन के दौरान छह घटित होने वाली आपदाओं को रोकने हेतु तकनीकों को बढ़ाया जाए तथा इनके मानव की भूमिका को कम कर रोबोट जैसी तकनीकी का अनुपालन किया जाए।

- सरकार को इससे प्राप्त होने वाली आय और इनके परिणामस्वरूप अधिक होने वाली प्राकृतिक आपदाओं ~~को~~ से होने वाले नुकसान से अवगत कराकर इनके आय के वैकल्पिक स्रोतों को ~~बढ़ाया जाए~~ बढ़ाने हेतु प्रयास करेंगे।

- खनन हेतु उचित वैज्ञानिक निरीक्षण करना चाहिए तथा संवेदनशील

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

क्षेत्रों में इस प्रकार की कार्रवाई करने से पीछे हटे।

- ~~इसमें~~ इनसे उत्पन्न होने वाली आपदाओं को रोकने हेतु एवं और अधिक पेड़-पौधों को दिलवा देना चाहिए
- इन आपदाओं से उत्पन्न समस्याओं से संबंधित तंत्र को और ज्यादा मजबूत किया जाए।
- जहाँ तक हो सके हमें इस प्रकार की आपदाओं को नियंत्रण करने या इनके प्रभाव को कम करने हेतु पूर्व सूचना / चेतावनी तंत्र को मजबूत किया जाए

इस प्रकार हाल ही घटित हो रही रैट होल की ~~ख~~ घटनाओं जैसे मेघालय में हुई एक घटना जिसमें अधिकांश मजदूर दब गये थे, को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रोकने हेतु निगरानी तंत्रों को बढ़ावा देकर इस प्रकार की खनन गतिविधियों को रोका जाए।

इन गतिविधियों को रोकने का राज्यों द्वारा विरोध किया जाता है इसलिए संघ एवं राज्यों के मध्य सहयोग को बढ़ावा देकर सहकारी संघवाद को बढ़ावा दिया जाए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation